करियर शीट · CAREER SHEET

# English Literature Scholar

अंग्रेजी साहित्य का विद्वान वह व्यक्ति है जो अंग्रेजी में लिखे गए उपन्यास, कविता, नाटक और आलोचना का गहराई से अध्ययन करता है, उन्हें पढ़ाता है, उन पर शोध करता है और नई व्याख्याएँ लिखता है। यह करियर भाषा और विचारों से प्रेम करने...

## इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/english-literature-scholar

**राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी**
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

अंग्रेजी साहित्य का विद्वान वह व्यक्ति है जो अंग्रेजी में लिखे गए उपन्यास, कविता, नाटक और आलोचना का गहराई से अध्ययन करता है, उन्हें पढ़ाता है, उन पर शोध करता है और नई व्याख्याएँ लिखता है। यह करियर भाषा और विचारों से प्रेम करने वालों के लिए है — कक्षा में विद्यार्थियों को शेक्सपियर से लेकर आधुनिक भारतीय अंग्रेजी लेखन तक समझाना, शोध-पत्र व पुस्तकें लिखना, साहित्यिक आलोचना करना और सम्मेलनों में विचार साझा करना इसका हिस्सा है। बीए और एमए (अंग्रेजी) के बाद यूजीसी-नेट व पीएचडी करके व्यक्ति कॉलेज-विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर बनता है और आगे प्रोफेसर तक पहुँचता है। यह एक सम्मानजनक, बौद्धिक और स्थिर शैक्षणिक करियर है।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | बीए→एमए (अंग्रेजी) 55% + यूजीसी-नेट/पीएचडी |
| अवधि | बीए 3 वर्ष + एमए 2 वर्ष + नेट/पीएचडी (कुल 5–8 वर्ष) |
| आरंभिक वेतन | सहायक प्रोफेसर ₹57,700+ मूल (यूजीसी लेवल 10); निजी कॉलेज ₹30,000–50,000/माह |
| काम का क्षेत्र | विश्वविद्यालय व कॉलेज में अध्यापन, शोध व लेखन |

## 3 क्या-क्या चाहिए

### रुचियाँ

- साहित्य, कविता और कहानियों को पढ़ने-समझने में गहरी रुचि
- भाषा, विचारों और आलोचनात्मक बहस से लगाव
- पढ़ाने, शोध करने और लिखने का उत्साह

### क्षमताएँ

- मज़बूत पठन-लेखन व विश्लेषणात्मक क्षमता
- आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच
- अच्छी अंग्रेजी अभिव्यक्ति और संप्रेषण कौशल

### ज़रूरी कौशल

- साहित्यिक ग्रंथों की बारीक व्याख्या और आलोचना (क्लोज़ रीडिंग)
- साहित्यिक सिद्धांत व आलोचना पद्धतियों का ज्ञान
- शोध-पद्धति, संदर्भ-लेखन और शोध-पत्र तैयार करना
- प्रभावी अध्यापन, व्याख्यान और कक्षा-प्रबंधन

- स्पष्ट व सुगठित अकादमिक लेखन और संपादन
- सार्वजनिक वक्तृत्व और सम्मेलनों में प्रस्तुति
- साहित्यिक इतिहास और विभिन्न युगों-आंदोलनों की समझ

## 4 कैसे पहुँचें

1. 11वीं-12वीं में अंग्रेजी व मानविकी विषयों पर मज़बूत पकड़ बनाएँ और खूब पढ़ें।
2. सीयूईटी-यूजी या विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया से बीए (अंग्रेजी साहित्य) में प्रवेश लें।
3. एमए (अंग्रेजी) कम-से-कम 55% अंकों के साथ पूरा करें (आरक्षित वर्ग को 50%)।
4. यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण करें — सहायक प्रोफेसर पात्रता और जेआरएफ के साथ पीएचडी का रास्ता।
5. अंग्रेजी साहित्य में पीएचडी करें और शोध-पत्र प्रकाशित करें।
6. कॉलेज/विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पाएँ और अनुभव व शोध के साथ आगे बढ़ें।

### प्रमुख परीक्षाएँ

- सीयूईटी-यूजी (स्नातक प्रवेश हेतु सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा)
- यूजीसी-नेट अंग्रेजी (सहायक प्रोफेसर व जेआरएफ हेतु राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा)

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan – Department of English — जयपुर, राजस्थान (https://www.uniraj.ac.in/)
- Mohanlal Sukhadia University – Department of English — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mlsu.ac.in/)
- Central University of Rajasthan – Department of English — अजमेर, राजस्थान (https://www.curaj.ac.in/)
- Jawaharlal Nehru University (JNU) – School of Language, Literature & Culture Studies — नई दिल्ली (https://www.jnu.ac.in/)
- University of Delhi – Department of English — दिल्ली (https://english.du.ac.in/)
- The English and Foreign Languages University (EFLU) — हैदराबाद (https://www.efluniversity.ac.in/)

### निजी संस्थान

- Manipal University Jaipur – Department of English — जयपुर, राजस्थान (https://jaipur.manipal.edu/)
- Ashoka University – Department of English — सोनीपत, हरियाणा (https://www.ashoka.edu.in/)

### ऑनलाइन

- IGNOU – MA English (distance/online) — ऑनलाइन / अखिल भारतीय (https://www.ignou.ac.in/)

- SWAYAM – Online literature courses — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)

#### फ़ीस

सरकारी विश्वविद्यालयों में बीए और एमए (अंग्रेजी) की फीस बहुत कम होती है — प्रायः ₹5,000–20,000 प्रति वर्ष। इग्नू से एमए अंग्रेजी लगभग ₹10,000–15,000 (पूरा कोर्स) में हो जाता है। निजी विश्वविद्यालयों में यही डिग्री ₹50,000–2,00,000 प्रति वर्ष तक हो सकती है। पीएचडी के दौरान जेआरएफ/शोध वृत्ति मिलने पर पढ़ाई का खर्च काफी हद तक निकल जाता है।

#### छात्रवृत्तियाँ

- UGC-NET Junior Research Fellowship (JRF)
- UGC Fellowships & Scholarships (https://www.ugc.gov.in/Schemes)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study – Arts & Humanities Scholarships (https://www.buddy4study.com/scholarships)

## 6 काम कैसा होता है

#### कहाँ काम

विश्वविद्यालय व कॉलेजों के अंग्रेजी विभाग, शोध संस्थान, प्रकाशन गृह, मीडिया व सामग्री-लेखन संस्थान और स्कूल।

#### कार्य-संस्कृति

अकादमिक जीवन में लचीलापन और बौद्धिक स्वतंत्रता होती है — पढ़ाना, शोध करना, पुस्तकालय व सम्मेलनों में समय बिताना इसका हिस्सा है। सत्र के अनुसार व्यस्तता बदलती रहती है; परीक्षा, मूल्यांकन और प्रकाशन के दबाव भी होते हैं। यह क्षेत्र महिलाओं व दिव्यांगजनों के लिए भी बहुत अनुकूल है।

#### कौन नौकरी देता है

- केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज
- प्रकाशन गृह (जैसे ऑक्सफोर्ड, पेंगुइन, ओरिएंट ब्लैकस्वान) — संपादन व प्रकाशन
- सामग्री-लेखन, एडटेक और भाषा-प्रशिक्षण कंपनियाँ
- एनसीईआरटी, इग्नू और शैक्षिक शोध संस्थान
- समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ और मीडिया संस्थान
- सीबीएसई/राज्य बोर्ड के स्कूल (पीजीटी अंग्रेजी)

#### माँग (2026)

भारत में उच्च शिक्षा का विस्तार तेज़ी से हो रहा है और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत हर विश्वविद्यालय व कॉलेज में अंग्रेजी अनिवार्य विषय है, जिससे योग्य सहायक प्रोफेसरों की निरंतर माँग रहती है। अध्यापन के अलावा प्रकाशन, संपादन, अनुवाद, मीडिया और सामग्री-लेखन में भी अंग्रेजी साहित्य के जानकारों के लिए अच्छे अवसर हैं। नेट/पीएचडी योग्य उम्मीदवारों के लिए यह एक स्थिर और सम्मानजनक करियर बना हुआ है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक प्रोफेसर (यूजीसी लेवल 10)
2. एसोसिएट प्रोफेसर (यूजीसी लेवल 13A)
3. प्रोफेसर / विभागाध्यक्ष (एचओडी) (यूजीसी लेवल 14)
4. डीन / प्राचार्य / कुलपति

**कमाई**

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹57,700–90,000/माह |
| मध्य स्तर | ₹1,00,000–1,40,000/माह |
| वरिष्ठ स्तर | ₹1,50,000–2,10,000+/माह |

यूजीसी 7वें वेतन आयोग के अनुसार सरकारी विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर का मूल वेतन ₹57,700 (लेवल 10) से शुरू होता है और भत्तों सहित सकल वेतन लगभग ₹90,000–1,10,000/माह तक पहुँचता है। एसोसिएट प्रोफेसर (लेवल 13A) और प्रोफेसर (लेवल 14) बनने पर आय काफी बढ़ जाती है। निजी कॉलेजों में शुरुआती वेतन ₹30,000–50,000/माह के बीच रह सकता है।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- बौद्धिक रूप से समृद्ध, सम्मानजनक और स्थिर सरकारी करियर
- अच्छा यूजीसी वेतनमान, छुट्टियाँ और शोध की स्वतंत्रता
- अध्यापन के साथ लेखन, प्रकाशन व मीडिया में भी अवसर

**चुनौतियाँ**

- नेट व पीएचडी सहित लंबी और प्रतिस्पर्धी पढ़ाई
- स्थायी सहायक प्रोफेसर पदों की सीमित संख्या और कड़ी भर्ती
- प्रकाशन और मूल्यांकन का लगातार दबाव

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**G. N. Devy**
**अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर, साहित्यिक आलोचक व सांस्कृतिक कार्यकर्ता**

गणेश (जी.एन.) देवी लंबे समय तक महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में अंग्रेजी के प्रोफेसर रहे और भारतीय साहित्यिक आलोचना के सबसे प्रभावशाली विद्वानों में गिने जाते हैं। उनकी पुस्तक 'आफ्टर एमनेज़िया' को 1993 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला, और उन्होंने 'इंडियन लिटरेरी क्रिटिसिज़्म: थ्योरी एंड इंटरप्रिटेशन' जैसी कृतियाँ संपादित कीं। बाद में उन्होंने भारत की सैकड़ों भाषाओं का सर्वेक्षण करने वाला विशाल पीपल्स लिंग्विस्टिक सर्वे शुरू किया। उन्हें पद्मश्री सहित कई सम्मान मिले। उनकी यात्रा दिखाती है कि अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन विचार, आलोचना और समाज-सेवा तक कैसे पहुँचा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/G._N._Devy

**Gayatri Chakravorty Spivak**
**विश्वविद्यालय प्रोफेसर, अंग्रेजी व तुलनात्मक साहित्य, कोलंबिया विश्वविद्यालय**

कोलकाता में जन्मी गायत्री चक्रवर्ती स्पिवाक ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अंग्रेजी की पढ़ाई की और फिर कॉर्नेल विश्वविद्यालय से पीएचडी की। वे दुनिया की सबसे प्रसिद्ध साहित्यिक-सिद्धांतकारों में से एक हैं — उनका निबंध 'कैन द सबॉल्टर्न स्पीक?' उत्तर-औपनिवेशिक अध्ययन का आधार-स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने जाक देरिदा के 'ऑफ ग्रामैटोलॉजी' का अनुवाद कर देकंस्ट्रक्शन को विश्व-भर में पहुँचाया। कोलंबिया विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी प्रोफेसर स्पिवाक को पद्म भूषण और होल्बर्ग पुरस्कार जैसे सम्मान मिले। उनकी कहानी बताती है कि अंग्रेजी साहित्य का विद्वान वैश्विक विचार-मंच पर कितनी ऊँचाई तक पहुँच सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Gayatri_Chakravorty_Spivak

## 10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- भाषाविद्
- अनुवादक
- दुभाषिया

## 11 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** राजस्थान करियर गाइडेंस – अंग्रेजी साहित्य के विद्वान — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a6%e0%a5%8d/

**2.** यूजीसी-नेट अंग्रेजी – पात्रता व करियर — https://www.jrfadda.com/exams/ugc-net/ugc-net-english/

**3.** सहायक प्रोफेसर वेतन 2026 (यूजीसी वेतनमान) — https://www.adda247.com/teaching-jobs-exam/ugc-net-assistant-professor-salary/

**4.** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) — https://www.ugc.gov.in/

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

**career.gsssjethantri.in**